SUCCESS KEY TEST SERIES

X (English)

(Unit Test-3 Hindi (II ch-1,2,3,4,5,6))

Hindi-

DATE:

TIME: 2 hrs

MARKS: 40

SEAT NO:

विभाग १ - गदय

प्र. १ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए (गदय)

1 A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) ☐ { समाज में व्याप्त आर्थिक और सामाजिक विषमताओं का परिणाम } ☐

2) ☐ ◁ व्यापार की कला इनसे प्राप्त होती है– ▷ ☐

मनुष्य समाज में रहने से अर्थात समाज की कृपा से ही व्यवहार चलाने लायक बनता है | बालक प्राथमिक शाला से लेकर देश – विदेश के ऊँचे-से-ऊँचे महाविद्यालयों में सीखकर जो योग्यता प्राप्त करता है, वे शिक्षालय या तो सरकार द्वारा चलाए जाते हैं, जिनका खर्च आम जनता से टैक्स के रूप में वसूल किए हुए पैसे से चलता है या दानी लोगों की कृपा से | जो कुछ पढ़ने की फीस दी जाती है, वह तो खर्च हिसाब से नगण्य है | उसको समाज का अधिक कृतज्ञ रहना चाहिए कि उस पैसे के बल पर वह विद्या पढ़कर योग्यता प्राप्त कर सका | इस सारी शिक्षा में जो कुछ ज्ञान मिलता है, वह भी हजारों वर्षो तक अनेक तपस्वियों ने मेहनत करके जो कण-कण संग्रहीत कर रखा है, उसी के बल पर मिलता है | व्यापारी और उद्योगपति भी व्यापार कि कला विद्यालयों से, अपने साथियों से एवं समाज से प्राप्त करते हैं |

जब अपनी योग्यता प्राप्त करने में हमारा खुद का हिस्सा अल्पतम है और समाज की कृपा का अंश अत्यधिक तो हमें जो योग्यता प्राप्त हुई है उसका उपयोग समाज को अधिक-से-अधिक देना और उसके बदले में समाज से कम-से-कम लेना, यही न्याय तथा हमारा कर्तव्य माना जा सकता है | चल रहा है कुछ उल्टा ही | व्यक्ति समाज को कम-से-कम देने की इच्छा रखता है, समाज से अधिक-से-अधिक लेने का प्रयत्न करता है, कुछ भी न देना पड़े तो रंज नहीं होता |

यह गंभीर बुनियादी सवाल है कि क्या बुद्धि का उपयोग विषम व्यवस्था को कायम रखकर पैसे कमाने के लिए करना उचित है ? यह तो साफ दीखता है कि आर्थिक विषमता का एक मुख्य कारण बुद्धि का ऐसा उपयोग ही है | शोषण भी प्राय: उसी से होता है | समाज में जो आर्थिक और सामाजिक विषमताएँ चल रही हैं और जिससे शोषण, अशांति होती है, उसे मिटाने के लिए जगत में अनेक योजनाएँ अब तक सामने आई और इनमें कुछ पर अमल भी हो रहा है | अहिंसा द्वारा यह जटिल प्रश्न हल करना हो तो गांधीजी ने इस आशय का सूत्र बताया,"पेट भरने के लिए हाथ-पैर और ज्ञान प्राप्त करने और ज्ञान देने कि लिए बुद्धि | ऐसी व्यवस्था हो कि हर एक को चार घंटे शरीर श्रम करना पड़े और चार घंटे बौद्धिक काम करने का मौका मिले और चार घंटो के शरीर श्रम से इतना मिल जाए कि उसका निर्वाह चल सके |"

A2) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए :- 2

1) विद्यार्थी को समाज का कृतज्ञ होना चाहिए |

2) समाज में आर्थिक, सामाजिक, विषमताएँ मिटाने के लिए अनेक योजनाएँ बनीं |

3) अपनी योग्यता प्राप्त करने में हमारा हिस्सा अधिकतम है |

4) जो कुछ पढ़ने की फीस दी जाती है, वह शिक्षालय के खर्च के लिए पर्याप्त होता है |

A3) i) समानार्थी शब्द अनुच्छेद से ढूँढकर लिखिए :- 1

1) हिस्सा - .....

2) जगत - .....

ii) प्रत्यय पहचानकर लिखिए 1

1) अल्पतम - .....

2) सामाजिक - .....

A4) स्वमत :- 2

समाज परोपकार वृत्ति के बल पर ही ऊँचा उठ सकता है – इस कथन से सबंधित अपने विचार लिखिए |

विभाग २ - पदय

प्र. २ पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए (पद्य)

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) चाँदी के विषय में कवि ने कहा - ☐

2) अधिकारी को कवि से यह चाहिए - ☐

मेरे घर छापा पड़ा, छोटा नहीं बहुत बड़ा
वे आए, घर में घुसे, और बोले-सोना कहाँ है ?
मैंने कहा-मेरी आँखों में है, कई रात से नहीं सोया हूँ
वे रोष में आकर बोले-स्वर्ण दो स्वर्ण!
मैंने जोश में आकर कहा-सुवर्ण मैंने अपने काव्य में बिखेरे हैं
उन्हें कैसे दे दूँ।
वे झुँझलाकर बोले, तुम समझे नहीं
हमें तुम्हारा अनधिकृत रूप से अर्जित अर्थ चाहिए
मैं मुसकाकर बोला, अर्थ मेरी नई कविता ओं में है
तुम्हें मिल जाए तो ढूँढ़लो
वे कड़ककर बोले चाँदी कहाँ है ?
मैं भड़ककर बोला मेरे बालों में आ रही है धीरे-धीरे
वे उद्भ्रात होकर बोले
यह बताओ तुम्हारे नोट कहाँ हैं ?
परीक्षा से एक महीने पहले करूँगा
वे गरजकर बोले हमारा मतलब आपकी मुद्रा से है
मैं लरजकर बोला,
मुद्राएँ आप मेरे मुख पर देख लीजिए

A2) निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए :- 2

1) कविता

2) मुद्रा

A3) भावार्थ लिखिए :- 2

मेरे घर छापा पड़ा, छोटा नहीं बहुत बड़ा
वे आए, घर में घुसे, और बोले-सोना कहाँ है ?
मैंने कहा-मेरी आँखों में है, कई रात से नहीं सोया हूँ
वे रोष में आकर बोले-स्वर्ण दो स्वर्ण!
मैंने जोश में आकर कहा-सुवर्ण मैंने अपने काव्य में बिखेरे हैं
उन्हें कैसे दे दूँ

विभाग ३ - पूरक पठन

प्र. ३ (अ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए (गदय)

1 **A1)** i) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

पर्वतीय स्थल की विशेषता

ii) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

1) लेखक शाम के समय टहल रहे थे - .....

2) भुट्टे का मूल्य था - .....

इस वर्ष बड़ी भीषण गरमी पड़ रही थी | दिन तो अंगारे से तपे रहते ही थे, रातों में भी लू और उमस से चैन नहीं मिलता था | सोचा इस लिजलिजे और घुटनभरे मौसम से राहत पाने के लिए कुछ दिन पहाड़ों पर बिता आएँ |

अगले सप्ताह ही पर्वतीय स्थल की यात्रा पर निकल पड़े | दो – तीन दोनों में ही मन में सुकून – सा महसूस होने लगा था | वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, हरे – भरे पहाड़ गर्व से सीना ताने खड़े, दीर्घता सिद्ध करते वृक्ष, पहाड़ो की नीरवता में हल्का – सा शोर कर अपना अस्तित्व सिद्ध करते झरने, मन बदलाव के लिए पर्याप्त थे|

उस दिन शाम के वक्त झील किनारे टहल रहे थे | एक भुट्टेवाला आया और बोला – "साब, भुट्टा लेंगे | गरम – गरम भूनकर मसाला लगाकर दूँगा | सहज ही पूछ लिया – "कितने का है?"

"पाँच रूपये का |"

"क्या ? पाँच रूपये में एक भुट्टा | हमारे शहर में तो दो रूपये में एक मिलता है, तुम तीन ले लो |"

"नहीं साब, "पाँच से कम में तो नहीं मिलेगा ..."

"तो रहने दो ..." हम आगे बढ़ गए |

एकाएक पैर ठिठक गए और मन में विचार उठा कि हमारे जैसे लोग पहाड़ों पर घुमने का शौक रखते हैं हजारों रूपये खर्च करते हैं, अच्छे होटलों में रुकते हैं जो बड़ी दूकानों में बिना दाम पूछे खर्च करते हैं पर गरीब से दो रूपये के लिए झिक – झिक करते हैं, कितने कंगाल हैं हम | उल्टे कदम लौटा और बीस रूपये में चार भुट्टे खरीदकर चल पड़ा अपनी राह | मन अब सुकून अनुभव कर रह था |

A2) स्वमत :- 2

"क्या फेरीवालो से मोल-भाव करना उचित है?" इस पर अपने विचार प्रकट कीजिय |

(आ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए (पद्य)

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

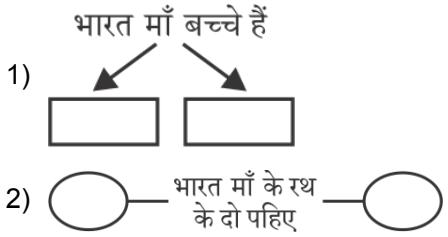

यों आप खफा क्यों होती हैं, टंटा काहे का आपस में ।
हमसे तुम या तुमसे हम बढ़-चढ़कर क्या रक्खा इसमें ।

झगड़े से न कुछ हासिल होगा, रख देंगे बातें उलझा के ।
बस बात पते की इतनी है, ध्रुवया रजिया भारत माँ के ।

भारत माता के रथ के हैं हम दोनों ही दो दो पहिए, अजी दो पहिए, हाँ दो पहिए ।
हम उस धरती की संतति हैं ....

A2) स्वमत :- 2

'लड़का-लड़की एक समान' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र. ४ (1) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए **(1)**

तुम बहुत थक गया होगा।

(2) मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए **(1)**

आँखो का तारा होना -

(3) 'प्रथम' तथा 'द्‌वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए **(1)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) रोना	.....	रुलवाना
ii) बदलना	.....	बदलवाना

विभाग ५ - उपयोजित लेखन

प्र. ५ पत्र लेखन - **(5)**

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्र लेखन किजिए -

अरुण/अरुणा पाटील, माधवबाग, सांगली से माननीय व्यवस्थापक, क्वालिटी स्पोर्ट्स, अप्पा बळवंत चौक, पुणे को हॉकी खेल की सामग्री मँगाते हुए पत्र लिखता लिखती है |